



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1
PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 29]
No. 29]

नई दिल्ली, मुक्तशार, अक्टूबर 12, 1984/अस्विना 20, 1906
NEW DELHI, FRIDAY, OCTOBER 12, 1984/ASVINA 20, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Filing is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी, निरीक्षीय सहायक

आयकर आयुक्त, अर्जन परिकल्पना,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 की धारा 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

रोहतक, 25 सितम्बर, 1984

निवेदण सं. कैथल/13/83-84.—अतः मैं आर. के. भयाना,
उक्त अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पहचान्
उक्त अधिनियम कहा गया है, को धारा 269-घ के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु. से अधिक है
और जिसको सं. दुकान नं. एम. सी. के. 474/8 माप 31.5
वर्ग गज है तथा जो मूल्य बाजार, कैथल में स्थित है (और इससे
उपायदृ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्त्रीकरण
प्राधिकारी के कार्यालय कैथल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
का 18 के अधीन तारीख जनवरी, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के
उचित मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मैं इह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य इसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के एन्ड्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंत-
रीकी) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए

तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :

(क) उक्त अन्तरण से हुई किसी आय की बायत आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अंतरक के वायित्व में कीमी करने या उसके बनाने
में सुविधा के लिए और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हे भारतीय अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धनकर
अधिनियम (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री सूरजभान वर्मा पुत्र श्री ईश्वर चन्द्र वर्मा,
एम. सी. के. 474/8 मेन बाजार, कैथल (अंतरक)

2. (1) वनिल कुमार पुत्र श्री विहारी लाल पुत्र
श्री गुरुदित्तामल

(2) गरिम्ब कुमार पुत्र उसम चन्द्र पुत्र
गुरुदित्तामल, दुकान नं. एम.सी.के.
मैन बाजार, कैथल (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके सुप्रवैक्षण सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां प्राप्त करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर प्रवैक्षण व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों की जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति नुकान नं. 474/8 जो कि मन बाजार कीथल में है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय कीथल, रजिस्ट्री संख्या 2969 दिनांक 4-1-84 पर दिया है ।

आर. के. भयाना, सक्षम प्राधिकारी,
(निरीक्षीय सहायक आटकर आयुक्त,
अर्जन परिकल्पना, रोहतक)

तारीख 25-9-84

मोहर

THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, ROHTAK,

Rohtak, the 25th September, 1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Ref. No. KTL/13/83-84.—Whereas I, R. K. Bhayana, I.R.S., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. a Shop No. MCK-474/8 measuring 31.5 sq. yds., Situated at Main Bazar, Kaithal (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kaithal in January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of

such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sujaj Bhan Verma S/o Shri Ishwar Chand Verma, MCK-474/8, Main Bazar, Kaithal.
(Transferor)
- (2) (i) Anil Kumar S/o Bihari Lal S/o Shri Gurditta Mal and
(ii) Narendra Kumar S/o Uttam Chand S/o Shri Gurditta Mal, Shop No. MCK-474/8, Main Bazar, Kaithal.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being shop No. MCK 474/8 situated at Main Bazar, Kaithal and more fully described in the Sale Deed registered at No. 2969 dated 4-1-1984 with Sub Registrar, Kaithal.

R. K. BHAVANA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak).

Date : 25-9-1984.

Seal